दैनिक भास्कर 17/05/2022

हरियाणा में पंजाबी भाषा ने बहुत तरक्की की : डॉ. गुरदेव

अम्बाला | हरियाणा केंद्रीय पंजाबी लेखक सभा की तरफ से पंजाबी साहित्य सभा, जीएमएन कॉलेज के सहयोग से पुस्तक गोष्ठी कराई गई। बलजिंद्र अछणपुरिया के कथा संग्रह उदास रुत दा गीत, मीना नवीन के उपन्यास भुरदीयां कंधां और गुरप्रीत कौर के काव्य संग्रह खुशबू कैद नहीं हुंदी पर डॉ. सुखजीत कौर, डॉ. जीत सिंह, डॉ. सिमरजीत कौर, डॉ. बलवान सिंह, डॉ. जसबीर कौर व डॉ. गुरप्रीत सिंह ने आलेख प्रस्तुत किए। मुख्यातिथि कॉलेज प्रबंधक समिति के प्रधान डॉ. गुरुदेव सिंह ने बताया कि हरियाणा के पंजाबी भाषा व साहित्य ने बहुत तरक्की की है। केंद्रीय सभा के प्रधान डॉ. सुदर्शन गासो ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्षता डॉ. हरसिमरन सिंह रंधावा ने की। मौके पर डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. रत्न सिंह ढिल्लों, मनजीत कौर अंबालवी, गुरचरण सिंह साहा व त्रिलोचन मीर (चीका) ने भी अपने विचार रखे। मंच संचालन केयू के पंजाबी विभाग के चेयरमैन डॉ. कुलदीप सिंह ने निभाया।